بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡدِ
لَآ اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ
دفتر مجلس انصاراللہ بھارت
Office Of The Majlis Ansarullah Bharat
Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA
Mob.9682536974,E-Mail: ansarullah@qadian.in KhulasaKhutba-24.05.2024 محلہ احمدیہ قادیان ۱۴۳۵۱۶ ضلع: گورداسپور (پنجاب)

इस्लाम की सत्यनिष्ठ ख़िलाफ़त की बरकतें तथा ईमान वर्धक घटनाओं का वर्णन।

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा **24 मई 2024**. स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू.के.

أَشۡهَدُ أَنۡ لَا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحۡدَهٗ لَا شَرِيۡكَ لَهٗ وَأَشۡهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبۡدُهٗ وَرَسُوۡلُهٗ

امّا بعد فاعوذ باللہ من الشیطٰن الرجیم۔ بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ

اَلۡحَمۡدُ لِلّٰہِ رَبِّ الۡعٰلَمِیۡنَ ۔ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ ۔ مٰلِکِ یَوۡمِ الدِّیۡنِ ۔ اِیَّاکَ نَعۡبُدُ وَ اِیَّاکَ نَسۡتَعِیۡنُ ۔ اِہۡدِنَا الصِّرَاطَ الۡمُسۡتَقِیۡمَ ۔ صِرَاطَ الَّذِیۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَیۡہِمۡ غَیۡرِ الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَیۡہِمۡ وَ لَا الضَّآلِّیۡنَ۔

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया- अल्लाह तआला का हम पर उपकार है कि उसने हमें हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को मानने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाई जिनके माध्यम से अल्लाह तआला ने इस्लाम के पुनर्जागरण का वादा फ़रमाया था। आप अलै. अल्लाह तआला के वादों के अनुसार और आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशगोईयों के अनुसार आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की ग़ुलामी मं दीन-ए-इस्लाम के नवीकरण के लिए अल्लाह तआला की ओर स भेजे गए और फिर अल्लाह तथा आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वादों के अनुसार ही आप अलै. की बनाई हुई जमाअत में ख़िलाफ़त का निज़ाम जारी हुआ। अतएव ये अल्लाह तआला के वादे और आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशगोई के पूरा होने की अभिव्यक्ति है जिसके कारण हम हर साल, हर जगह जहाँ जहाँ अहमदिया जमाअत क़ायम है, 27 मई को ख़िलाफ़त दिवस मनाते हैं।

26 मई को हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का निधन हुआ, तथा 27 मई को जमाअत ने ख़ुदा के वादों के अनुसार हज़रत मौलाना हकीम नूरुद्दीन रज़ी. का ख़लीफ़तुल मसीह अव्वल के रूप में चुनाव करके आप रज़ी. के हाथ पर हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के काम को जारी रखने का संकल्प किया। आप रज़ी. की वफ़ात के बाद हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह सानी रज़ी. के हाथ पर जमाअत जमा हुई। फिर तीसरी ख़िलाफ़त और चौथी ख़िलाफ़त का दौर शुरु हुआ। हर दौर में दुश्मन ने जमाअत

को नष्ट करने का भरसक प्रयत्न किया परन्तु हर दृष्टि से विफलता का मुंह देखा। हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह राबे रह. के निधन के पश्चात अल्लाह तआला ने अपने वादे को पूरा करने का जलवा दिखाया तथा पाँचवीं ख़िलाफ़त का चुनाव हुआ। फ़रमाया- अल्लाह तआला ने मेरी असंख्य दुर्बलताओं के बावजूद मुझे बहुमूल्य समर्थन एंव सहायता प्रदान की, उन्नति का क़दम आगे से आगे ही बढ़ता गया। दर्जनों देशों में अहमदियत का पौधा लगा, अहमदिया जमाअत का निज़ाम मूल रूप से क़ायम हुआ, सैंकड़ों नगरों तथा कसबों में स्वयं अल्लाह तआला ने लोगों का मार्ग दर्शन करके ख़िलाफ़त के समर्थन एवं सहायता के दश्य दिखाकर लोगों के दिलों में ख़िलाफ़त से सम्बंध की भावना पैदा करके निष्ठावान लोगों की जमाअतों की स्थापना के साधन पैदा फ़रमाए तथा ये दृश्य दिखाता चला जा रहा है।

अतः न अल्लाह तआला अपने वादों को भूलने वाला एवं तोड़ने वाला है और न ही अपने सबसे प्यारे नबी हज़रत मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशगोईयों को पूरा करने में कमी करने वाला है। हम भागय शाली हैं कि आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की ख़िलाफ़त अला मिनहाजे नबुव्वत (नबुव्वत के सतमार्ग पर चलने वाली ख़िलाफ़त) की पेशगोई को पूरा होते हुए देखने वाले हैं। अतएव जो वास्तव में आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के ग़ुलाम की जमाअत के साथ जुड़ कर रहने वाले हैं, वे अल्लाह तआला के फ़ज़्लों के वारिस बनते रहेंगे, इन्शाअल्लाह। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने भी फ़रमाया कि मेरे बाद भी मेरी जमाअत में मेरी ख़िलाफ़त का सिलसिला आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशगोई के अनुसार जारी रहेगा। आप अलै. ने फ़रमाया- मैं ख़ातमुल ख़ुलफ़ा हूँ, अब जो भी आएगा, जिसको अल्लाह तआला ख़िलाफ़त का स्तर देगा, मेरे अनुकरण में ही आएगा। अतः संसारिक रूप से कोई जितना चाहे ज़ोर लगा ले, कभी ख़िलाफ़त का क़याम हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम से अलग होकर नहीं हो सकता।

अतएव जब आप अलै. के निधन का समय निकट आया तो आप अलै. ने ख़िलाफ़त के जारी रहने की सूचना देते हुए फ़रमाया- अल्लाह तआला दो प्रकार की क़ुदरत ज़ाहिर करता है। पहली स्वयं नबियों के हाथ से अपनी क़ुदरत का हाथ दिखाता है, दूसरी ऐस समय पर जब नबी की वफ़ात के बाद कठिनाईयों का सामना पैदा हो जाता है तथा दुश्मन ज़ोर में आ जाते हैं तथा समझते हैं कि अब काम बिगड़ गया, तथा विश्वास कर लेते हैं कि अब यह जमाअत नष्ट हो जाएगी तथा स्वयं जमाअत के लोग भी असमंजस में पड़ जाते हैं तथा उनकी कमरें टूट जाती हैं तथा कई भाग्य हीन जमाअत से विमुख होने की राहे निकाल लेते हैं तब ख़ुदा तआला दूसरी बार अपनी सशक्त क़ुदरत को प्रकट करता है तथा गिरती हुई जमाअत को संभाल लेता है। अतः वह जो अन्त तक धैर्य रखता है, ख़ुदा तआला के उस चमत्कार को देखता है। फ़रमाया- सो ऐ प्रियजनों! जब अनंतकाल से अल्लाह की सुन्नत यही है कि ख़ुदा तआला दो क़ुदरतें दिखलाता है, ता विरोधियों की दो झूठी ख़ुशियों को बरबाद करके दिखलावे, सो अब संभव नहीं है कि ख़ुदा तआला अपनी पुरानी सुन्नत को छोड़ देवे। इस लिए तुम मेरी इस बात से जो मैंने तुम्हारे

पास बयान की, दुःखी मत हो तथा तुम्हारे दिल चिंतित न हो जाएँ क्यूँकि तुम्हारे लिए दूसरी क़ुदरत को देखना भी निश्चित है और उसका आना तुम्हारे लिए अच्छा है, क्यूँकि वह स्थाई है जिसका सिलसिला क़यामत तक नहीं टूटेगा, और वह दूसरी क़ुदरत नहीं आ सकती जब तक मैं न जाऊँ।

इसके साथ ही मैं यह भी बता दूँ कि मैं तो इस बात से भी अर्थ निकालता हूँ कि जो लोग हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की आयु पर विवाद में पड़े हुए हैं, उनका भी इसमें जवाब है कि आप अलै. ने अपनी आयु के वर्षों की गणना करके यह नहीं बताया कि इतने साल शेष हैं बल्कि अपनी वापसी का संकेत दिया है तथा आयु पर चर्चा करने को कोइ महत्त्व नहीं दिया, बल्कि काम पूरा करने का महत्त्व है। आप अलै. ने फ़रमाया- मैं जब जाऊँगा तो फिर ख़ुदा उस दूसरी क़ुदरत को तुम्हारे लिए भेज देगा जो सदैव तुम्हारे साथ रहेगी, जैसा कि बराहीने अहमदिया में वादा है, और वह वादा मेरे अस्तित्व के विषय में नहीं है बल्कि तुम्हारे बारे में वादा है। जैसा कि ख़ुदा फ़रमाता है कि मैं इस जमाअत को जो तेरी अनुयायी है क़यामत तक दूसरों पर ग़ल्बः दूँगा। सो अवश्य है कि तुम पर मेरी जुदाई का दिन आवे, ता बाद इसके वह दिन आवे जो स्थाई है। वह हमारा ख़ुदा अपने वादों का सच्चा तथा वफ़ादार एवं सादिक़ ख़ुदा है। वह सब कुछ तुम्हें दिखलाएगा, जिसका उसने वादा फ़रमाया है। यद्यपि ये दिन दुनिया के अन्ति दिन हैं और अनेक बलाएँ हैं जिनके नाज़िल होने का समय है, पर अवश्य है कि यह दुनिया क़ायम रहे जब तक वे समस्त बातें पूरी न हो जाएँ जिनकी ख़ुदा ने ख़बर दी है।

अल्लाह तआला के वादे के अनुसार आप अलै. के निधन के बाद हर एक ख़िलाफ़त के दौर में जमाअत पगति की ओर अग्रसर है तथा सदैव की भांति ख़ुदा तआला दूर सुदूर के देशों में बैठे लोगों के दिलों में, जिन्होंने कभी किसी ख़लीफ़ः को देखा भी नहीं है, स्वयं मार्ग दर्शन करते हुए ख़िलाफ़त के झंडे तले आने की हिदायत देता है। कुछ लोगों के वृत्तांत भी पेश कर देता हूँ जिनसे ख़िलाफ़ते अहमदिया के साथ अल्लाह तआला के समर्थन तथा उसके वादे पूरे होने का दृश्य हम देखते हैं।

बर्कीनाफ़ासो की एक जमाअत में पहली बार एम.टी.ए. लगा तथा लोगों ने पहली बार वर्तमान ख़लीफ़ः का देखा तो उनकी आँखें में आँसू थे तथा ख़ुशी उनके चेहरों से झलक रही थी। कहने लगे- एम.टी.ए. पर वर्तमान ख़लीफ़ः को देख कर हमारी आँखों को शीतलता एवं संतोष की अनूभूति होती है।

अमीर साहब गैम्बिया लिखते हैं कि एक मोटर मकैनिक ने संयोगवश एम.टी.ए. पर मुझे कोई सम्बोधन करते हुए देखा तो कहने लगे कि इसमें कोई सन्देह नहीं कि इस व्यक्ति को ख़ुदा तआला का समर्थन प्राप्त है। अतएव इस सज्जन पुरुष ने अपने परिवार के 14 लोगों सहित बैअत कर ली।

जर्मनी के सकरेट्री तबलीग़ लिखते हैं कि एक अरब निवासी इनके स्टाल पर आए तथा क़ुर्आन करीम का अनुवाद ले गए। जलसा सालाना जर्मनी में आने की उनको दावत दी गई। कुछ व्यस्त होने के कारण उन्होंने अपने बड़े भाई तथा एक अन्य परिवार के सदस्य को भिजवा दिया। जलसे पर मेरे भाषण

सुनने के बाद उनके भाई कहने लगे कि यह व्यक्ति निःसन्देह ख़ुदा तआला द्वारा समर्थन दिया गया है तथा वे उसी रात बैअत फ़ॉर्म को भर कर अहमदिया जमाअत में शामिल हो गए।

कैमरोन के एक नगर में आठ परिवार बैअत करके जमाअत में शामिल हो गए। नौ-मुबाईन का कहना है कि एम.टी.ए. ने हमारे बच्चों का जीवन बदल दिया है। उनमें से एक युवा को स्कूल टीचर मेरा सम्बोधन सुनने के लिए छुटटी नहीं देता था, उसने कहा कि मैं स्कूल छोड़ सकता हूँ परन्तु ख़ुत्बः जुम्अः नहीं।

बर्कीनाफ़ासो में भी एक व्यक्ति ने मुझे एम.टी.ए. पर देखा तो कहा कि मैं तो इनको सपने में देख चुका हूँ। वह उसी समय बिना किसी दलील के अहमदियत में दाख़िल हो गया तथा उसके गाँव के काफ़ी लोगों ने अहमदियत क़बूल कर ली। अब ख़ुदा की कृपा से उस गाँव में एक मज़बूत जमाअत स्थापित हो चुकी है।

हुज़ूरे अनवर ने इसी क्रम में कुछ अन्य देशों, कोंगो कंशासा, सेनेगाल, बैल्जियम, गिनी बसाव, कर्ग़िस्तान, नाईजेरिया तथा माली से अहमदिया ख़िलाफ़त के साथ अल्लाह के समर्थन एवं सहायता तथा उसके वादे पूरे होने के नज़ारों पर आधारित और अधिक ईमान वर्धक घटनाएँ भी पेश फ़रमाईं। तत्पश्चात फ़रमाया- ये कुछ वृत्तांत हैं जिनसे ख़ुदा के समर्थन की अभिव्यक्ति होती है कि अल्लाह तआला स्वयं लोगों के दिल खोल रहा है। ग़ैरों के दिल में अहमदिया ख़िलाफ़त का प्रभाव जमा रहा है, नेक प्रकृति के लोगों को ख़िलाफ़त के साथ जोड़ रहा है। अहमदिया ख़िलाफ़त के इतिहास का हर दिन इस बात का प्रमाण है कि अल्लाह तआला ही अहमदिया ख़िलाफ़त की सहायता एवं समर्थन फ़रमा रहा है तथा जमाअत हर दिन प्रगतिशील है। अल्लाह तआला मुझे भी अपने फ़ज़्ल से इस दायित्व को पूरा करने का सामर्थ्य प्रदान करे तथा हर एक अहमदी को भी सम्पूर्ण वफ़ा एवं निष्ठा के साथ सदैव ख़िलाफ़ते अहमदिया से जाड़े रखे तथा वे समस्त उद्देश्य अल्लाह तआला पूरे फ़रमाए जिनका उसने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम से वादा फ़रमाया है और अहमदिया ख़िलाफ़त के माध्यम से ख़ुदाए वाहिद का शासन दुनिया में क़ायम हो और हज़रत मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का झंडा दुनिया में लहराने का दृश्य दुनिया देखे।

ख़ुत्बः के अन्त में हुज़ूरे अनवर ने मुकर्रम चौधरी नसरुल्लाह ख़ान साहब तथा मुकर्रम कंवर इदरीस साहब का सद्वर्णन फ़रमाया एवं मृतकों के जनाज़े की नमाज़ ग़ायब पढ़ाने की घोषणा फ़रमाई।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ. عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान-18001032131